ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर — प्रमुख तथ्य

अर्थव्यवस्था (प्रारंभिक परीक्षा: सामान्य अध्ययन) | समाचार संदर्भ: जुलाई 2026 | प्रकाशित: 24 अक्टूबर 2026

खबरों में क्यों

जुलाई 2026 में भारत के ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC) क्षेत्र को लेकर दो तरह की चर्चा हुई। एक ओर उद्योग से 2030 तक 5,000 केंद्रों की दिशा में काम करने का आह्वान किया गया। साथ ही यह सवाल भी उठा कि भारत सिर्फ अधिक केंद्रों की मेजबानी करे या उत्पाद-निर्माण, शोध और वैश्विक कारोबारी फैसलों में भी बड़ी भूमिका ले। ध्यान रहे, 5,000 की बात भविष्य के लिए रखी गई आकांक्षा है, कोई हासिल की हुई संख्या नहीं।

दूसरी ओर एक उद्योग-अध्ययन की रिपोर्ट आई, जिसमें कुछ केंद्रों की आगे बढ़ने की क्षमता सीमित बताई गई। किसी एक अध्ययन के अनुमान को पूरी अर्थव्यवस्था का अंतिम निष्कर्ष नहीं माना जा सकता। फिर भी इससे एक उपयोगी प्रश्न निकलता है: किसी केंद्र की सफलता उसके कर्मचारियों की संख्या से मापें या उसके पास आए निर्णयों, नवाचार और वास्तविक जिम्मेदारी से?

पहले समझें: GCC क्या है?

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर किसी बहुराष्ट्रीय कंपनी की अपनी इकाई होता है, जो समूह के विश्वव्यापी कामों का हिस्सा बनती है। ऐसे केंद्र में तकनीक, वित्त, डेटा-विश्लेषण, इंजीनियरिंग, उत्पाद-विकास या अन्य कारोबारी कार्य हो सकते हैं। इसे साधारण कॉल सेंटर या किसी बाहरी कंपनी से काम कराने की व्यवस्था समझना अधूरा है।

आउटसोर्सिंग से अंतर:

पहलू	अपना क्षमता केंद्र	बाहरी सेवा-प्रदाता
संबंध	समूह की अपनी इकाई	स्वतंत्र कंपनी, अनुबंध के तहत सेवा देती है
नियंत्रण	काम और कौशल पर समूह का सीधा संगठनात्मक नियंत्रण संभव	काम और जवाबदेही अनुबंध की शर्तों से तय होती है
काम का स्वरूप	सहायक कार्य से शोध और उत्पाद-विकास तक	साधारण सेवा से उच्च स्तर के तकनीकी कार्य तक
साथ उपयोग	एक ही कंपनी दोनों व्यवस्थाएं मिलाकर अपना सकती है	

मुख्य तथ्य

- **ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC):** बहुराष्ट्रीय कंपनी का अपना केंद्र जो विश्वव्यापी काम — तकनीक, वित्त, अनुसंधान, डिजाइन — भारत से करता है; कंपनी की अपनी इकाई, बाहरी ठेका नहीं।
- **आउटसोर्सिंग से अंतर:** आउटसोर्सिंग में काम अलग सेवा-कंपनी को; GCC में काम कंपनी के अपने कर्मचारी और प्रबंधन में।
- **भारत की स्थिति:** GCC का प्रमुख गंतव्य — कुशल अंग्रेज़ी-भाषी तकनीकी श्रमिक, लागत-लाभ, परिपक्व पारिस्थितिकी तंत्र।
- **उच्च-मूल्य काम:** केवल सहायता-कार्य नहीं, AI/उत्पाद-विकास/रणनीतिक निर्णय से जुड़ा काम — 'क्षमता की रणनीति'।
- **संख्या बनाम क्षमता:** केंद्रों की गिनती ही सफलता नहीं; काम का स्तर, नेतृत्व-भूमिकाएँ, नवीनता मापदंड।
- **छोटे शहर:** टियर-2/3 विस्तार की चर्चा, पर प्रतिभा-उपलब्धता और बुनियादी ढांचा शर्तें।

परीक्षा की दृष्टि से

प्रारंभिक परीक्षा के लिए याद रखने योग्य: GCC की परिभाषा, आउटसोर्सिंग से संगठनात्मक अंतर और 2030 तक 5,000 केंद्रों का आह्वान एक आकांक्षा है, उपलब्धि नहीं। केंद्रों की सफलता के मापदंड और उद्योग-अध्ययन की सीमाओं का विश्लेषण मुख्य परीक्षा लेख में (लिंक नीचे स्रोत में)।

प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास:

प्रश्न 1. ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वे किसी बहुराष्ट्रीय कंपनी के समूह की अपनी इकाइयों के रूप में वैश्विक कार्यों में योगदान दे सकते हैं।
2. उनका काम अनिवार्य रूप से केवल कॉल सेंटर तक सीमित होता है।
3. किसी कंपनी के लिए अपना क्षमता केंद्र और बाहरी सेवा-प्रदाता, दोनों का उपयोग संभव है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर और कारण देखें
उत्तर: (b)।
GCC तकनीक, वित्त, इंजीनियरिंग और शोध जैसे विविध काम कर सकते हैं। कंपनी अपनी इकाई और बाहरी सेवाओं का मिश्रित उपयोग कर सकती है।

स्रोत और सीमाएँ

- जुलाई 2026: GCC विस्तार और क्षमता की चुनौती
- जुलाई 2026: उच्च-मूल्य काम और भविष्य की आकांक्षा
- बजट 2025-26: राष्ट्रीय ढांचे की घोषणा, पैरा 91
- बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन: GCC मसौदे पर स्थिति
- सेवा निर्यात और GCC की भूमिका पर सरकारी पृष्ठभूमि
- राष्ट्रीय ढांचे के लिए उद्योग के सुझाव
- अगस्त 2026: प्रस्तावित ढांचे पर बाद की रिपोर्ट
- **सीमाएँ:** 2030 तक 5000 केंद्र का लक्ष्य आकांक्षा है, वर्तमान भंडार नहीं। किसी उद्योग-रिपोर्ट के मूल कार्यप्रणाली-पृष्ठ को न पढ़े जाने के कारण उसके संख्यात्मक निष्कर्ष नहीं दिए गए। राष्ट्रीय ढांचे की घोषणा, प्रथम मसौदे पर प्रतिक्रिया और अगस्त का प्रस्ताव वर्तमान लागू नीति नहीं हैं; कोई पात्रता या कर-लाभ का वादा नहीं किया गया। वित्तीय वर्ष 2024 और जुलाई के आँकड़े अलग अवधि के हैं, मिलाए नहीं गए। बजट पैरा 91 को संवैधानिक अनुच्छेद नहीं माना गया।

इसी विषय का मुख्य परीक्षा (विश्लेषण) लेख: ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर: संख्या से आगे क्षमता की रणनीति